किसलय

(भाग-2)

सातवीं कक्षा की हिंदी पाठ्यपुस्तक

© BSTBPC
WEBCOPY NOT TO BE PUBLISHED

Developed by: ABSOL www.absol.in

(राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार द्वारा विकसित)

बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना

निदेशक (प्राथमिक शिक्षा), शिक्षा विभाग, बिहार सरकार द्वारा स्वीकृत।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना के सौजन्य से सम्पूर्ण बिहार राज्य के निमित्त ।

सर्व शिक्षा अभियान कार्यक्रम के अन्तर्गत
पाठ्य-पुस्तकों का निःशुल्क वितरण ।
क्रय-विक्रय दण्डनीय अपराध ।

© बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

सर्व शिक्षा अभियान : 2013-14 - 17,83,499

बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पाठ्य-पुस्तक भवन, बुद्ध मार्ग, पटना-800 001 द्वारा प्रकाशित तथा सुपर ऑफसेट प्रिंटर्स एण्ड स्टेशनर्स, नया टोला, पटना-4 द्वारा एच॰पी॰सी॰ के 70 जी॰एस॰एम॰, एस॰एस॰ क्रीम वोभ टेक्स्ट पेपर (वाटर मार्क) तथा एच॰पी॰सी॰ के 130 जी॰एस॰एम॰ ह्वाईट (वाटर मार्क) आवरण पेपर पर कुल 8,46,547 प्रतियाँ 18x24 सेमी. साईज में मुद्रित।

प्राक्कथन

शिक्षा विभाग, बिहार सरकार के निर्णयानुसार अप्रैल, 2009 से प्रथम चरण में राज्य के कक्षा IX हेतु नए पाठ्यक्रम को लागू किया गया। इस क्रम में शैक्षिक सत्र 2010–11 के लिए वर्ग I, III, V एवं X की सभी भाषायी एवं गैर भाषायी पाठ्य पुस्तकें नए पाठ्यक्रम के अनुरूप लागू की गयी। इस नए पाठ्यक्रम के आलोक में एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा विकसित वर्ग X की गणित एवं विज्ञान तथा एस.सी.ई.आर.टी., बिहार, पटना द्वारा विकसित वर्ग I, III, VI एवं X की सभी अन्य भाषायी एवं गैर भाषायी पुस्तकें बिहार राज्य पाठ्य–पुस्तक निगम द्वारा आवरण निर्माण कर मुद्रित की गयी। इस सिलसिले की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए शैक्षिक सत्र 2011–12 के लिए वर्ग II, V एवं VI तथा शैक्षिक सत्र 2012–13 के लिए वर्ग V एवं VIII की नई पाठ्य पुस्तकें बिहार राज्य के छात्र/छात्राओं के लिए उपलब्ध करायी गयीं। साथ ही साथ वर्ग I से VIII तक की पुस्तकों का नया संशोधित रूप भी शैक्षिक सत्र 2013–14 के लिए एस.सी.ई.आर.टी., बिहार, पटना के सौजन्य से प्रस्तुत किया जा रहा है।

बिहार राज्य में विद्यालयीय शिक्षा के गुणवत्तापूर्ण विकास के लिए माननीय मुख्यमंत्री, बिहार, श्री नीतीश कुमार, शिक्षा मंत्री, श्री पी.के. शाही एवं शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव, श्री अमरजीत सिन्हा के मार्गदर्शन के प्रति हम हृदय से कृतज्ञ हैं।

एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली तथा एस.सी.ई.आर.टी., बिहार, पटना के निदेशक के भी हम आभारी हैं जिन्होंने अपना सहयोग प्रदान किया।

बिहार राज्य पाठ्य–पुस्तक प्रकाशन निगम छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, शिक्षाविदों की टिप्पणियों एवं सुझावों का सदैव स्वागत करेगा, जिससे बिहार राज्य को देश के शिक्षा जगत में उत्कृष्ट स्थान दिलाने में हमारा प्रयास सफल सिद्ध हो सके।

जे॰ के॰ पी॰ सिंह, भा॰ रे॰ का॰ से॰
प्रबन्ध निदेशक
बिहार राज्य पाठ्य–पुस्तक प्रकाशन निगम लि॰

WEBCOPY: BSTBPC NOT TO BE PUBLISHED

दिशा बोध-सह-पाठ्य पुस्तक विकास समन्वय समिति

Û **Jh jkgqy flag]** jkT; ifj;kstuk funs'kd] fcgkj f'k{kk ifj;kstuk ifj"kn~] iVuk

Û **Jh jke'kj.kkxr flag]** la;qDr funs'kd] f'k{kk foHkkx] fcgkj ljdkj] fo'ks"k dk;Z inkf/kdkjh ch-,l-Vh-ch-ih-lh-]iVuk

Û **Jh glu okfjl]** funs'kd] ,l-lh-bZ-vkj-Vh-] iVuk

Û **Jh e/kqlwnu ikloku]** dk;ZØe inkf/kdkjh] fcgkj f'k{kk ifj;kstuk ifj"kn~] iVuk

Û **MkW- ,l-,- eqbZu]** foHkkxkè;{k] ,l-lh-bZ-vkj-Vh-] iVuk

Û **MkW- Kkunso ef.k f=kBh]** izkpk;Z] eS=s; dkWyst vkWQ ,tqds'ku ,.M

पाठ्य-पुस्तक विकास समिति

विषय-विशेषज्ञ :

- **डा० कासिम खुर्शीद,** विभागाध्यक्ष (भाषा विभाग), एस.सी.ई.आर.टी., पटना
- **श्री वीरेन्द्र सिंह रावत,** शिक्षाशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

लेखक सदस्य :

- **श्री अखिलेश कुमार सिंह,** शिक्षक, रा० प्राथमिक विद्यालय, रजासन, बिदुपुर, वैशाली
- **श्री राजमंगल तिवारी,** शिक्षक, उ० मध्य विद्यालय, बखरियाँ, भोजपुर
- **श्री वृजेन्द्र विमल,** शिक्षक, रा० मध्य विद्यालय नवटोल करिहों, सुपौल
- **श्रीमती संजू राय,** शिक्षिका, रा० मध्य विद्यालय सादीपुरघाट, खानपुर, समस्तीपुर
- **डा० सियाराम मिश्र,** शिक्षक , रा० प्राथमिक विद्यालय, बगवतपुर, भोजपुर
- **कुमार अनुपम मिश्र,** विद्या भवन सोसाइटी, उदयपुर (राजस्थान)

समन्वयक :

- **डा० अर्चना,** व्याख्यता, एस.सी.ई.आर.टी., पटना

समीक्षक :

- **डॉ० कलानाथ मिश्र,** रीडर, स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग, ए. एन. कॉलेज, पटना
- **श्रीमती किरण शरण,** प्राचार्या, रा० कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पटना सिटी, पटना

आरेखन एवं चित्रांकन :

- **सदानन्द सिंह,** धंधुआ, वैशाली

आभार : यूनिसेफ, बिहार

आमुख

यह पुस्तक राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 एवं बिहार पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2008 के आलोक में विकसित नवीन पाठ्यक्रम के आधार पर तैयार की गई है। इस पुस्तक के विकास में इस बात का ध्यान रखा गया है कि "शिक्षा का मतलब बिहार के स्कूली शिक्षार्थियों को इतना सक्षम बना देना है कि वे अपने जीवन का सही सही अर्थ समझ सकें, अपनी समस्त योग्यताओं का समुचित विकास कर सकें, अपने जीवन का मकसद तय कर सकें और उसे पूरा करने हेतु स्वयं संगत सार्थक एवं प्रभावी प्रयास कर सकें और साथ ही साथ इस बात को भी समझ सकें कि समाज के दूसरे व्यक्ति को भी ऐसा ही करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है।" राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 एवं बिहार पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2008 हमें बताती है कि शिक्षार्थी के स्कूली जीवन और स्कूल से बाहर के जीवन में अंतराल नहीं होना चाहिए। पुस्तक और पुस्तक से बाहर की दुनिया आपस में जुड़ी होनी चाहिए। आशा है कि यह कदम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) में वर्णित बालकेंद्रित शिक्षा व्यवस्था की दिशा में काफी दूर तक ले जाएगा।

इस पुस्तक में बच्चों की कल्पनाशक्ति के विकास, उनकी गतिविधियों को सृजनशील, उनके मनन करने और उनसे उबर पाने के मौलिक अधिकार को समुचित संरक्षण और उसे रचनात्मक दिशा देने की कोशिश की गई है। बच्चों के पूर्वज्ञान, परिवेश की समझ आदि का पूर्ण सम्मान किया गया है। हर पाठ के साथ अनेक तरह के अभ्यास हैं जिनसे शिक्षार्थियों की पाठ पर पकड़ तो बनेगी ही, साथ ही साथ उनके भीतर स्वाभाविक जिज्ञासा को प्रोत्साहन मिलेगा। पुस्तक की परिकल्पना में अनेक महत्त्वपूर्ण बातों का ध्यान रखा गया है। ऐसा प्रयत्न किया गया है कि पाठ बोझिल न हों तथा समसामयिक जीवन संदर्भों से जुड़ कर बच्चों के लिए रोचक बन जाएँ ताकि बच्चे उत्सुकता और आनंद के साथ तनावमुक्त रीति से उन्हें पढ़ते हुए बहुविध जानकारी प्राप्त करें और उस जानकारी का ज्ञान की सृजना में उपयोग कर सकें।

पाठ्यपुस्तकों के निर्माण हेतु राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, पटना ने विभागीय पदाधिकारियों, संकाय सदस्यों, विषय विशेषज्ञों, भाषाविदों एवं प्रारंभिक शिक्षकों की विभिन्न कार्यशालाएँ आयोजित कीं। इन कार्यशालाओं में राष्ट्रीय शैक्षिक शोध और प्रशिक्षण परिषद् नई दिल्ली, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, विद्या भवन सोसाइटी, उदयपुर (राजस्थान), एकलव्य (भोपाल) एवं अन्य महत्त्वपूर्ण प्रकाशनों से प्रकाशित पुस्तकों का अध्ययन कर राज्य के प्रारंभिक स्तर के शिक्षक समूह द्वारा पुस्तक की पाण्डुलिपि तैयार की गयी। विकसित पुस्तक को पटना एवं वैशाली जिला के कुछ विद्यालयों में करा विनियमन (ट्रायल) के पश्चात प्राप्त सुझावों के आलोक में विषय-विशेषज्ञों एवं शिक्षाविदों द्वारा समीक्षोपरांत पुस्तक परिष्कृत स्वरूप में किसलय, भाग-[illegible] आपके समक्ष प्रस्तुत है।

नयी तरह विनियमन के पश्चात आपके द्वारा प्राप्त सलाह एवं सुझाव के आलोक में पाठ्यपुस्तक में आवश्यक संशोधन कर लिया गया है। भविष्य में आपके सहयोग की प्रत्याशा में यह पाठ्यपुस्तक पुनः आपके समक्ष प्रस्तुत है।

पाठ्यपुस्तक निर्माण में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़े शिक्षकों, विषय विशेषज्ञों एवं सुप्रसिद्ध साहित्यकारों, जिनकी खास रचनाएँ इन पुस्तकों में शामिल की गई हैं, हम उनके प्रति अपना आभार प्रकट करते हैं।

हसन वारिस
निदेशक
राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार

पाठ-सूची

क्र.सं.	पाठ का नाम	विधा	रचनाकार	पृष्ठ संख्या
1.	मानव बनो	कविता	शिवमंगल सिंह 'सुमन'	1
2.	नचिकेता	कहानी	कठोपनिषद् से	3
3.	पुष्प की अभिलाषा	कविता	माखन लाल चतुर्वेदी	10
4.	दानी पेड़	कहानी	शेल स्लिवरस्टाइन	12
5.	वीर कुँवर सिंह	जीवनी	पाठ्यपुस्तक विकास समिति	16
6.	गंगा स्तुति	कविता	विद्यापति	21
7.	साइकिल की सवारी	व्यंग्य-कथा	सुदर्शन	23
8.	बचपन के दिन	संस्मरण	ए.पी.जे. अब्दुल कलाम	31
9.	वर्षा बहार	कविता	मुकुटधर पाण्डेय	34
10.	कुंभा का आत्म बलिदान	कहानी	संकलित	36
11.	कबीर के दोहे	पद्य	कबीर	41
12.	जन्म-बाधा	कहानी	सुधा	43
13.	शक्ति और क्षमा	कविता	रामधारी सिंह 'दिनकर'	47
14.	हिमशुक	कहानी	शंकर	50
15.	ऐसे-ऐसे	एकांकी	विष्णु प्रभाकर	58
16.	बूढ़ी पृथ्वी का दुख	कविता	निर्मला पुतुल	66
17.	सोना	रेखाचित्र (कहानी)	महादेवी वर्मा	68
18.	हुएनत्सांग की भारत यात्रा	यात्रा-वृत्तान्त	बेलिन्दर एवं हरिन्दर धनौआ	76
19.	आर्यभट	जीवनी	पाठ्यपुस्तक विकास समिति	81
20.	यशस्विनी	कविता	बेबी रानी	85
21.	गुरु की सीख			89
22.	समय का महत्व			90
	शब्दकोश			91